सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 247 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

मित्रता की गहराई परिचय की लम्बाई पर निर्भर नहीं करती।
-रविन्द्रनाथ टैगोर

भाजपा की आर्थिक नीतियां विनाशकारी... 7 | महाराष्ट्र में चुनाव की आहट के बीच... 3 | अग्नि दहन से जला रावण का दम्भ... 2

महाराष्ट्र और यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर बीजेपी पर विपक्ष का तीखा हमला

» विपक्षी नेता बोले- आम से लेकर खास तक एनडीए सरकार में सभी असुरक्षित

» कांग्रेस, आप समेत इंडिया गठबंधन के सदस्यों ने पीएम मोदी व गृहमंत्री शाह से मांगा इस्तीफा

» सरकार को अंडरवर्ल्ड का समर्थन मिल रहा : राउत

» देशभर के लोग खौफ में : केजरीवाल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक बीजेपी सरकारों में राज्य की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। जहां महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और अजित पवार वाली एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई तो दूसरी ओर यूपी के बहराइच में दुर्गा विसर्जन को लेकर हुई हत्या के बाद पूरे जनपद में भारी बवाल मच गया है।

इस तरह की वारदातों के बाद विपक्ष के निशाने पर केंद्र की मोदी व राज्यों की बीजेपी सरकार आ गई है। कांग्रेस समेत सभी दलों ने गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफा मांगा है। विपक्षी नेताओं ने कहा बीजेपी पूरे देश में गैगेंस्टरों क सहारे सरकार चलाना चाहती है। हालांकि राज्य सरकारें आरोपियों को कड़ी सजा देने की बात कर रही है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उधर यूपी में सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों को निलंबित करते हुए माहौल खराब करने वालों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

बहराइच में अस्पताल और शोरूम में आगजनी-तोड़फोड़

उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए बवाल ने बड़ा रूप ले लिया है। सोमवार सुबह एक बार फिर से बहराइच में आगजनी और तोड़फोड़ की गई। कई दुकानों और घरों में तोड़फोड़ की गई। बाइक के शोरूम और एक अस्पताल में आग लगा दी गई है। वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया है। दवाइयों को जला दिया गया है। युवक की मौत से भड़का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदर्शन और हिंसक होता जा रहा है। बाइक के शोरूम में आग लगा दी गई है। कारों को भी फूंका गया है। लोग लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर उतर गए हैं। उधर, परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया है। हालांकि पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझाया है। लेकिन अभी तक बात नहीं बनी है। परिजन कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। सोमवार सुबह रामगोपाल मिश्रा की हत्या के बाद एक समुदाय के लोग भड़क गए। भीड़ हाथ में डंडे और लाठी लेकर सड़क पर उतर आए। बाइक शोरूम और एक अस्पताल में आगजनी और तोड़फोड़ की गई है। अस्पताल के अलावा दुकानों और वाहनों में भी आग लगाई है। यूपी के सीएम योगी ने दंगाइयों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ताजा हालात पर रिपोर्ट मांगी है। अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए कहा है। इससे पहले, बहराइच सांप्रदायिक हिंसा में जान गंवाने वाले रामगोपाल मिश्रा का पोस्टमार्टम सुबह सात बजे पूरा हुआ। इसके बाद शव उनके घर की तरफ रवाना किया गया था। इस घटना के बाद इलाके में तनाव है। महराजगंज और महसी इलाके के निजी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। बहराइच की सांप्रदायिक हिंसा में देर रात मुख्य आरोपी सलमान समेत कई लोगों पर एफआईआर की गई। सूत्रों के अनुसार 20 से 25 लोगों के हिरासत में लेने की खबरें हैं। उधर दूसरी ओर पूजा कमेटी देर रात तक इस बात पर अड़ी रही कि आरोपियों की गिरफ्तारी हो। आरोपियों को फांसी देने के नारे देर रात सड़कों पर गूंजते रहे।

दम है तो साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करिए : राउत

संजय राउत ने कहा, मैंने पहले भी कहा था कि इस सरकार के बाद मुंबई में गैंगवार और अंडरवर्ल्ड की ताकत बढ़ सकती है। इस सरकार को अंडरवर्ल्ड का भी समर्थन हासिल है। अंडरवर्ल्ड गुजरात से चलाया जा रहा है। आज गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त किया गया है। इसका मतलब है कि देश में 50,000 करोड़ रुपये का ड्रग्स पहले ही बांटा जा चुका है। अब इसका पैसा कहां किस पार्टी को जा रहा है इसे जनता को बताने की जरूरत नहीं है। गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गैंगस्टर बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेता है। सिद्दीकी कोई आम नेता नहीं है। ऐसे शख्स की पुलिस सुरक्षा में हत्या हो गई। इसकी जिम्मेदारी कौन ले रहा है, जो एटीएस गुजरात की हिरासत में गैंगस्टर है वो। यह कितनी गंभीर बात है। केंद्रीय गृह मंत्री के लिए एक चुनौती है जो गुजरात से हैं।

महाराष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद राज्य की कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवालों पर कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे अपराधों के लिए जिम्मेदार आरोपियों को जवाबदेह ठहराया जाए और उन्हें बख्शा नहीं जाए। शिंदे ने इस बात की पुष्टि की कि मुंबई पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही कहा कि महाराष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, बाबा सिद्दीकी की हत्या की घटना दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है।

महाराष्ट्र में चरमराती कानून-व्यवस्था उजागर: तेजस्वी

राजद के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुंबई में राकांपा के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए को कहा कि इस घटना ने महाराष्ट्र में 'चरमराती' कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर कर दिया।यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह घटना चौंकाने वाली और दुखद है। मैं उन्हें (बाबा सिद्दीकी को) व्यक्तिगत रूप से जानता था क्योंकि वह बिहार के गोपालगंज जिले के मूल निवासी थे। अगर मुंबई जैसे शहर में, खासकर बांद्रा इलाके में ऐसी घटना हो सकती है तो फिर कहा जा सकता है कि वहां कोई भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, यह उस राज्य (महाराष्ट्र) में कानून-व्यवस्था की चरमराती स्थिति को दर्शाता है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

बीजेपी पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहती है : केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि मुंबई में सरेआम एनसीपी नेता (अजित गुट) की गोली मारकर हत्या की इस वारदात से ना केवल महाराष्ट्र बल्कि देशभर के लोग खौफजदा हैं। दिल्ली में भी कमोबेश यही माहौल बना दिया है। ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं। जनता को अब इनके खिलाफ खड़ा होना ही पड़ेगा। मुंबई में सरेआम एनसीपी नेता की गोली मारकर हत्या की इस वारदात से ना केवल महाराष्ट्र बल्कि देशभर के लोग खौफजदा हैं। दिल्ली में भी कमोबेश यही माहौल बना दिया है इन्होंने। जनता को अब इनके खिलाफ खड़ा होना ही पड़ेगा। सीएम भारद्वाज ने कहा, मुंबई में भाजपा की सरकार है। दिल्ली में भी केंद्र सरकार के पास कानून व्यवस्था है और यहां भी हालात मुंबई जैसे होते जा रहे हैं।

लखनऊ में पुलिस की पिटाई से युवक की मौत

अमन पार्क के पास टहलने गए थे। दोस्त मिल गया तो वहीं पर बैठ गए। कुछ देर बाद पीआरवी (यूपी 32 डीजी 4830) से पुलिसकर्मी आए। घेराबंदी की और अमन को पकड़कर पीटने लगे। गालियां देकर उन्हें ले गए। पिटाई से जब वह बेहोश हो गए तो घबराकर पुलिसवाले उन्हें अस्पताल ले गए। वहां अमन को मृत घोषित कर दिया गया। ये गंभीर आरोप अमन की पत्नी रोशनी ने एफआईआर में लगाए हैं। केस में एससीएसटी एक्ट भी लगा है। रोशनी ने तहरीर में लिखा कि प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें बताया कि पिटाई करने में सिपाही शैलेंद्र सिंह की मुख्य भूमिका रही। अन्य पुलिसवालों ने उसका साथ दिया और अमन को पीटा। रोशनी का कहना है कि जब पुलिस पहुंची थी तो पार्क में जुआ खेलने वाले भाग गए थे। अमन जुआ खेल रहे होते तो वह भी भाग जाते। पुलिस ने बेवजह उन्हें पकड़ा। रोशनी ने बताया कि शुक्रवार रात जब अमन घूमने निकले थे, तब वह देवी जागरण के लिए पर्चियां भी काट रहे थे। उनके दोस्त सोनू की बेटी का रविवार को जन्मदिन था, जिसका आयोजन पार्क में होना था। इसे लेकर दोनों बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान पुलिसवाले पहुंचे थे। परिजनों ने बताया कि अमन जुआ नहीं खेलते थे। वह इलेक्ट्रीशियन थे और वही परिवार चलाते थे। बेटी अनाया का 28 अक्तूबर को चौथा जन्मदिन है। परिजनों के मुताबिक अमन को आपराधिक इतिहास भी नहीं है।

भाजपा की आर्थिक नीतियां विनाशकारी : अखिलेश

बोले पूर्व सीएम - देश की मुद्रा का पतन, अर्थव्यवस्था के पतन का प्रतीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला जारी रखते हुए कहा कि बीजेपी की सारी नीतियां विनाशकारी हैं। उन्होंने आर्थिक नीतियों पर करारा प्रहार किया। सपा मुखिया ने डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने पर कहा कि किसी देश की मुद्रा का पतन, अर्थव्यवस्था के पतन का प्रतीक होता है।

भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था की बदहाली के झूठे आंकड़ों की कितनी भी मोटी परत बिछा दें लेकिन दुनिया के सामने सच खुल ही जाता है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियां विनाशकारी हैं। संविधान से बनी हर चीज को यह उलटना चाहते हैं। यह वह लोग है जो नफरत की राजनीति करते हैं। वे भेदभाव करते हैं। यह वे लोग हैं जो धर्म जातियों को लड़ाकर राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार यह कह रही है कि 5 ट्रिलियन डालर की इकोनामी है, अगर हमारी अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है तो आखिरकार हंगर इन्डेक्स पर हम कहां खड़े हैं। 105वां स्थान पर उन्होंने कहा रेलवे में सुधार की बड़ी-बड़ी बातें की गई थीं।

समाजवादी व्यवस्था से ही मिटेगी गरीबी

अखिलेश यादव ने शनिवार को डॉ. राममनोहर लोहिया की 57वीं पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए कहा है कि हम उनके सपनों का समाजवादी भारत बनाने का सपना पूरा करने का संकल्प लेते है। डॉ. राममनोहर लोहिया ने देश में हर तरह से भेदभाव के खात्मे और जाति तोड़ने का आह्वान किया था। हर स्तर पर हो रहे भेदभाव का विरोध किया था। समाजवादी व्यवस्था से ही गरीबी मिटेगी। पढ़ाई में भेदभाव मिटेगा। डॉ. राममनोहर लोहिया की दाम बांधो नीति से ही महंगाई, गरीबी दूर होगी। लोहिया ने सप्तक्रांति के माध्यम से समाज में खुशहाली का रास्ता दिखाया था।

सपा इंडियन गठबंधन में फिर पूरी ताकत लगाएगी

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से मिली उपेक्षा के बावजूद सपा ने सकारात्मक सबक लिया है। एकला चलो की रणनीति से सिर्फ नुकसान ही हाथ लगेगा। इसलिए यूपी के विधानसभा उपचुनाव में इंडियन गठबंधन को बरकरार रखा जाएगा। इसमें कांग्रेस को सीटों के लिहाज से हिस्सेदारी मिल सकती है। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में शामिल सपा और आम आदमी पार्टी को कोई हिस्सेदारी नहीं दी थी। इस पर सपा ने तो वहां कोई प्रत्याशी नहीं उतारा, जबकि आम आदमी पार्टी ने चुनाव लड़ा। परिणाम पर नजर डालें तो कांग्रेस को 39.09 प्रतिशत, आम आदमी पार्टी को 1.79 प्रतिशत वोट ही मिला। वहीं, भाजपा 39.94 प्रतिशत वोट लेकर अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में सफल रही। मुकाबला आमने-सामने का होने पर मतों में एक फीसदी का अंतर भी बड़ा मायने रखता है। इंडिया गठबंधन के रणनीतिकारों का मानना है कि अगर कांग्रेस ने अन्य दलों का साथ लेते हुए चुनाव लड़ा होता तो परिणाम की तस्वीर दूसरी ही होती। कांग्रेस 13 सीटें 5 हजार से कम मतों से हारी।

सपा का साथ होता तो जीत सकते थे 35 सीटें : सुरेंद्र भाटी

सपा की हरियाणा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र भाटी तो यहां तक कहते है कि सपा का साथ न लेने से कांग्रेस को 35 सीटों पर नुकसान हुआ। भले ही भाटी का दावा थोड़ा बड़ा लग रहा हो, लेकिन इंडिया गठबंधन के सूत्र भी मानते हैं कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव हरियाणा में प्रचार करने गए होते तो यादव मतदाता एकतरफा तौर पर भाजपा के साथ न गए होते। इससे यादव मतदाताओं के प्रभाव वाले 7 जिलों की 10-12 सीटों पर कांग्रेस को इसका फायदा मिला होता। हरियाणा के परिणाम आने के बाद अखिलेश यादव कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन बरकरार रहेगा और इसे बनाए रखने की जिम्मेदारी समाजवादी उठाएंगे। इससे संकेत मिल रहे हैं कि उपचुनाव में कांग्रेस को 1-2 सीटें मिल सकती हैं। यहां बता दें कि यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें से छह सीटों पर सपा अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। शेष चार सीटों में कांग्रेस को हिस्सेदारी मिलने की संभावना है।

हरियाणा हार के बाद नफा-नुकसान का आकलन करेगी बसपा

» मायावती का किसी से गठबंधन न करने का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीते 12 वर्षों में बसपा ने पांच चुनाव बिना किसी दल के साथ गठबंधन किए लड़े, जिनमें उसे बुरी तरह पराजित होना पड़ा। इन हालात में बसपा सुप्रीमो के हालिया फैसले से होने वाले नफा-नुकसान का आकलन शुरू हो गया है। बहुजन समाज पार्टी का अब किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करने का फैसला मुश्किल का सबब बन सकता है।

हरियाणा चुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती के इस फैसले ने सियासी जानकारों को भी हैरत में डाल दिया है। 2012 में प्रदेश में बसपा को सत्ता से बाहर होना पड़ा था। पार्टी ने विधानसभा चुनाव अकेले लड़ा, लेकिन उसके 80 विधायक ही बने। दो वर्ष बाद बसपा ने फिर अकेले लोकसभा चुनाव में उतरने का फैसला लिया, लेकिन उसका कोई प्रत्याशी सांसद नहीं बन पाया। जबकि 2009 के लोकसभा चुनाव में उसके 20 सांसद बने थे। इसके बाद 2017 का विधानसभा चुनाव बसपा ने फिर से अकेले

दम पर ही लड़ने का निर्णय लिया, लेकिन मात्र 19 प्रत्याशी ही विधानसभा पहुंच सके। 2019 का लोकसभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन करके लड़ने का उसका फैसला संजीवनी साबित हुआ और पार्टी के सांसदों की संख्या शून्य से बढ़कर 10 हो गई। हालांकि यह गठबंधन टिक नहीं पाया और बसपा ने सपा के वोट ट्रांसफर नहीं होने का आरोप लगाकर इसे तोड़ दिया। 2022 का विधानसभा चुनाव बसपा के लिए फिर से नुकसान भरा रहा, अकेले चुनाव लड़ने के फैसले की वजह से उसे महज 12.83 फीसद वोट ही मिले और महज एक प्रत्याशी विधानसभा पहुंच पाया। दरअसल, बसपा के इस फैसले के बाद पहला सवाल उठ रहा है कि पार्टी किस तरह अपने जनाधार को बढ़ाएगी। दरअसल, लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद बसपा ने दलित उत्पीड़न के मामलों में आक्रामक रुख अपनाना शुरू कर दिया था।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौन विरोध प्रदर्शन भी नहीं कर सकते : वांगचुक

» लद्दाख भवन के बाहर धरना दे रहे समर्थकों को पुलिस ने हिरासत में लिया, धारा 163 पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस बीच वांगचुक ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर कहा कि दिल्ली पुलिस ने उनके कई समर्थकों को हिरासत में लिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अनाधिकृत सभाओं पर रोक लगाने वाली भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 नई दिल्ली में स्थायी रूप से क्यों लागू है। उन्होंने कहा कि यहां कई लोग मौन विरोध प्रदर्शन करने आए थे। यह वास्तव में दुखद है कि उन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया।

यह दुखद है क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौन विरोध प्रदर्शन भी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया है कि धारा 163 लागू की गई है। यह

अफसोसजनक है कि लोकतंत्र की जननी पर पूरे साल इस तरह का प्रतिबंध लगा रहता है। वांगचुक ने कहा कि यह धारा आमतौर पर अस्थायी रूप से तभी लागू की जाती है, जब कानून-व्यवस्था के बाधित होने की संभावना होती है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र पर एक धब्बा है। अदालतों को इसका संज्ञान लेना चाहिए। ऐसी धाराएं स्थायी रूप से कैसे लगाई जा सकती हैं। दिल्ली पुलिस ने लद्दाख भवन के बाहर से कई लोगों को हिरासत में ले लिया। जहां जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर छह अक्टूबर से अनिश्चिकालीन भूख हड़ताल का नेतृत्व कर रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। पहले पुलिस ने कहा था कि हिरासत में लिए गए लोगों में सोनम वांगचुक भी शामिल हैं, लेकिन बाद में नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त देवेश महला ने इससे इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने लद्दाख भवन के बाहर से कुछ छात्रों को हिरासत में लिया है। उनमें सोनम वांगचुक शामिल नहीं हैं।

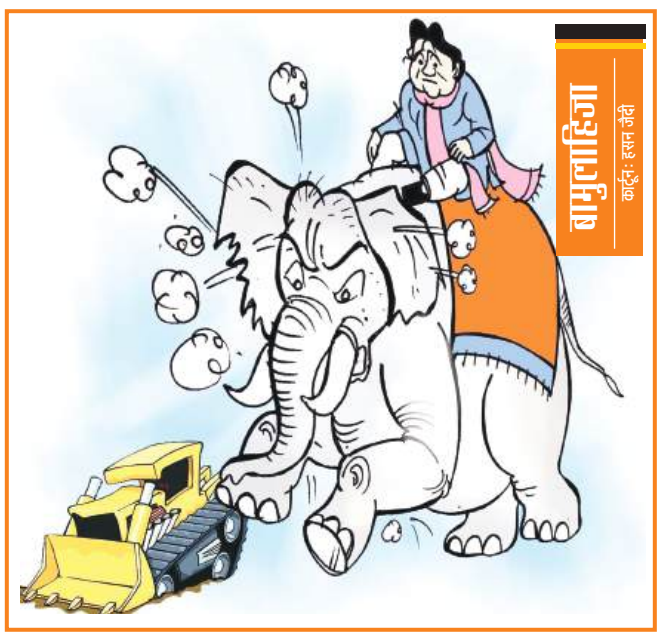

अखिलेश उन्हीं की गोद में बैठें जिन्होंने जेपी के आंदोलन को दबाया : ललन सिंह

» नीतीश से राजग से अलग होने की अपील पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भाजपा नीत राजग सरकार से समर्थन वापस लेने की अपील करने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। जनता दल(यूनाइटेड) के अध्यक्ष ललन ने कांग्रेस से गठबंधन के लिए भी यादव पर निशाना साधा और कहा कि उनके दिवंगत पिता मुलायम सिंह यादव ने इसी पार्टी का विरोध करके राजनीति में कदम जमाए थे।

ललन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव के शुक्रवार को दिए गए बयान के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर दिग्गज समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि देने से रोकने का आरोप लगाया था। ललन से जब यादव की नीतीश से अपील के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,अखिलेश कौन हैं? नीतीश ने आपातकाल से पहले 1974 में जेपी आंदोलन के दौरान अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। केंद्रीय पंचायत राज मंत्री ललन ने कहा, नेताजी (मुलायम का उपनाम) की आत्मा कराह रही होगी। आप (अखिलेश) उन लोगों की गोद में बैठे हैं, जिनके खिलाफ उन्होंने 1974 में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करते हुए लड़ाई लड़ी थी।

महाराष्ट्र में चुनाव की आहट के बीच बढ़ी सियासी चाहत

हरियाणा जीत से जोश में बीजेपी ओबीसी को साधने में जुटी

महायुति में जारी है सिर-फुटौव्वल, महाअगाड़ि का एकजुटता पर जोर

» कांग्रेस, शिवसेना उद्धवगुट व एनसीपी पवारगुट भी तैयारी में

» 7 जाति, 12 उपजातियों के लिए सिफारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हरियाणा में पूर्ण बहुमत व जम्मू-कश्मीर में अपनी पार्टी के बढ़िया प्रदर्शन से उत्साह में आई भाजपा अब आने वाले राज्यों के विस चुनाव के लिए पूरे जोश व जीत वाले राज्य में प्रयोग किए गए रणनीति को अपनाने पर विचार कर रही है। इसी क्रम में उसने महाराष्ट्र व झारखंड में ओबीसी को अपने पाले जमाए रखने के लिए क्रीमीलेयर की सीमा बढ़ाने व कुछ और अन्य जातियों को उसमें शामिल करने का पासा फेंका है। उधर कांग्रेस व उसके सहयोगियों ने भी भाजपा को रोकने लिए अपने सारे मतभेद भुलाकर एक साथ रहने का फैसला किया है। उद्धवगुट शिवसेना ने कहा है कि वह राज्य को बचाने के लिए शरदपवार व कांग्रेस के सीएम को समर्थन देंगे।

उधर केंद्र सरकार महाराष्ट्र के आगामी चुनावों से पहले सात पिछड़ी जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की योजना पर विचार कर रही है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने यह सिफारिश की है और विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा। इससे इन जातियों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। हाल के लोकसभा चुनावों के बाद, बीजेपी महाराष्ट्र में छोटी जातियों, खासकर पिछड़े वर्ग के बीच, के माइक्रो मैनेजमेंट पर अपनी रणनीति पर फिर से काम कर रही है। ऐसे में केंद्र सरकार राज्य की सात पिछड़ी जातियों को ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल कर सकती है। महाराष्ट्र चुनाव से पहले, हंसराज गंगाराम अहीर की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने सरकार से राज्य के सात समुदायों और उनके समानार्थी शब्दों को ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। एनसीबीसी सात जातियों को उनकी 12 उपजातियों के साथ ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। सूची में शामिल होने के बाद, वे केंद्रीय योजनाओं और ओबीसी श्रेणी में नियुक्तियों में आरक्षण के लिए पात्र होंगे। इसका उद्देश्य कई जातियों और समुदायों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करना है। केंद्रीय सूची में शामिल करने के लिए जिन लोगों को सिफारिश की गई है, वे हैं लोधा और इसके समानार्थी शब्द जैसे लोध और लोधी; बड़गुजर; सूर्यवंशी गूजर; लेवे गूजर, रेवे गूजर और रेवा गूजर; डांगरी; भोयर, पवार; कपेवार, मुन्नार कपेवार, मुन्नार कापू, तेलंगा, तेलंगी, पेंटारेड्डी और बुकेकारी। ये जातियाँ/समुदाय पहले से ही महाराष्ट्र में ओबीसी की राज्य सूची में हैं। सूत्रों ने कहा कि ओबीसी की ऐसी तीन और जातियों को पिछड़ों की केंद्रीय सूची में शामिल करने की सिफारिश की जाएगी।

एनसीबीसी के अध्यक्ष ने की थी मांग

एनसीबीसी के अध्यक्ष अहीर, जो भाजपा नेता हैं, महाराष्ट्र से ओबीसी भी हैं। वे मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। अहीर ने कहा कि लंबे समय से यह मांग चल रही थी कि इन जातियों को ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल किया जाए। महाराष्ट्र में कुल 351 ओबीसी जातियां हैं, जिनमें से केवल 291 ही केंद्रीय सूची में हैं। इन अतिरिक्त जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने की मांग की गई है। मुन्नार कापू, तेलंगी, पेंटारेड्डी जातियां सोलापुर और नांदेड़ में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। वहीं, गूजरों की विभिन्न उपजातियां नासिक और जलगांव में अच्छी-खासी मौजूदगी रखती हैं। भोयर-पवार समुदाय महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के भंडारा, गोंदिया और वर्धा में मौजूद है। ये सभी जातियां कुल छह लोकसभा सीटों पर मौजूद हैं। साथ ये लगभग 24-30 विधानसभा सीटों पर प्रभाव डालती हैं।

कांग्रेस और राकांपा-शरद पवार की ओर से घोषित मुख्यमंत्री के चेहरे का समर्थन करेंगे : उद्धव

शिवसेना(यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह महाराष्ट्र को 'बचाने' के लिए विपक्षी गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) द्वारा घोषित मुख्यमंत्री के किसी भी चेहरे का समर्थन करेंगे। यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार संभवत: अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विज्ञापनों के जरिये फर्जी विमर्श प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है। ठाकरे ने सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडकी बहिन' योजना की आलोचना करते हुए दावा किया कि सरकार लोगों को उन्हीं का पैसा (योजना के माध्यम से)देकर ''महाराष्ट्र धर्म'' के साथ विश्वासघात करने के लिए मजबूर कर रही है। महाराष्ट्र सरकार की 'लाडकी बहिन' योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए अगले महीने चुनाव होने की संभावना है। ठाकरे ने कहा कि मैं महाराष्ट्र को बचाने के लिए कांग्रेस या राकांपा (एसपी) द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री चेहरे का समर्थन करूंगा।'' ठाकरे ने अगस्त में जोर दिया था कि चुनाव के बाद सबसे अधिक सीट जीतने वाले दल द्वारा मुख्यमंत्री चुने जाने के बजाय विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) को चुनाव में जाने से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा था कि वह कांग्रेस या राकांपा (एसपी) द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

महाराष्ट्र में नवंबर के बाद हो सकता है चुनाव

हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव खत्म होने के बाद झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान का इंतजार है। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि अगले हफ्ते चुनाव आयोग तारीखों की घोषणा कर सकता है। इलेक्शन कमीशन झारखंड और महाराष्ट्र के साथ उत्तर प्रदेश और वायनाड के उप चुनाव का टाइम-टेबल भी जारी कर सकता है। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र में 26 नवंबर तक विधानसभा का कार्यकाल पूरा हो जाएगा. चुनाव के लिए करीब चालीस दिन का समय दिया जाता है. ऐसे में माना जा रहा है कि 26 नवंबर से पहले ही यहां चुनाव संपन्न करा लिए जाएंगे। इसलिए चुनाव की तारीखों का ऐलान भी जल्द ही किया जाएगा। चुनाव आयोग महाराष्ट्र और झारखंड के साथ उत्तर प्रदेश और वायनाड में होने वाले उपचुनाव की तारीखों का ऐलान भी जल्द ही हो सकता है।

केंद्रीय चुनाव आयोग ने जब हरियाणा और जम्मू कश्मीर में होने वाले चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था, उसी समय उन्होंने बताया था कि अभी कई राज्यों में प्राकृतिक आपदा आई हुई है, जिसके कारण अभी उपचुनाव की तारीख का ऐलान नहीं किया जा सकता। जैसे ही हालात सामान्य हो होंगे, चुनाव की तारीख तय कर दी जाएगी। ऐसे में संभावना है कि चुनाव आयोग आने वाले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव की तारीखों के साथ ही उप चुनाव के तारीखों का भी ऐलान कर सकता है। झारखंड की बात करें तो यहां विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को समाप्त होगा। ऐसे में संभावना है कि झारखंड में चुनाव की तारीख आगें बढ़ सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी मुताबिक जिन सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं, उन सभी सीटों पर चुनाव आयोग एक साथ ही चुनाव करवा सकती है।

महायुति में उठापटक जारी, अजित पवार नाराज

कैबिनेट ने आसन्न चुनाव से पहले कई महत्वपूर्ण पहलों और कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार मतदाताओं का पक्ष हासिल करने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू करने पर जोर दे रही है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुती में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। यह चुनाव से पहले भाजपा और उसके सहयोगी दलों के लिए ठीक नहीं है। खबर आ रही है कि गुरुवार को कैबिनेट बैठक को बीच में ही छोड़कर अजित पवार चले गए। सूत्रों के मुताबिक, असहमति तब शुरू हुई जब आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कई प्रमुख घोषणाओं का प्रस्ताव रखा। हालाँकि, पवार ने प्रस्तावों को अपनी मंजूरी देने से इनकार कर दिया और उनमें से कुछ पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की, जिससे दोनों नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि कैबिनेट ने आसन्न चुनाव से पहले कई महत्वपूर्ण पहलों और कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार मतदाताओं का पक्ष हासिल करने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू करने पर जोर दे रही है। पिछली कैबिनेट बैठकों में, विकास पर सरकार के फोकस को उजागर करते हुए, घोषणाओं की एक श्रृंखला पहले ही की जा चुकी थी। हालाँकि, गुरुवार की बैठक में मुख्यमंत्री के प्रस्ताव को पवार के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, असहमति की जड़ बारामती के कुछ प्रस्ताव प्रतीत होते हैं जो शिंदे द्वारा पेश किए गए थे। सूत्र ने खुलासा किया कि ऐसी संभावना थी कि प्रस्ताव मंजूरी के लिए शरद पवार के कार्यालय से मुख्यमंत्री के पास आए होंगे, जिससे कथित तौर पर उनके भतीजे अजित पवार नाराज हो गए और उन्होंने इसे मंजूरी देने से इनकार कर दिया। हालाँकि कैबिनेट ने बाद में 38 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि इसमें बारामती परियोजना शामिल है या नहीं। अजित पवार ने मामले से पल्ला झाड़ने की कोशिश की।

मंजूरी के बाद संसद में पेश होगे बिल

एनसीबीसी की दो सदस्यीय पीठ, जिसमें अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर और सदस्य भुवन भूषण कमल शामिल हैं, ने पिछले साल 17 अक्टूबर और फिर इस साल 26 जुलाई को समावेशन के संबंध में सुनवाई की थी। अधिकारियों के अनुसार, एनसीबीसी की सिफारिशों की सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा जांच की जाएगी। फिर सरकार की तरफ से मंजूरी मिलने के बाद, उन्हें एक विधेयक के माध्यम से सूची में शामिल किया जाएगा। इसे मंजूरी के लिए संसद में रखा जाएगा। संसद का अगला सत्र, शीतकालीन सत्र, आमतौर पर दिसंबर के महीने में आयोजित किया जाता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जीवन को गंभीर नहीं मजेदार बनाइए!

वैसे तो देश में कई बड़े-बड़े उद्योगपतियों की मृत्यु हुई पर रतन टाटा की मृत्यु के बाद जिस तरह से पूरे देश में आमजनों से अपनी संवेदना व्यक्त की वह उनके व्यक्तित्व को बताने के लिए काफी है। जमशेदपुर से लकर मुंबई तक उनकी याद में लोगों ने मौन रखे व उन्हें याद किया। वाकई रतन टाटा की मृत्यु के बाद पता चल रहा है कि हमने वाकई अनमोल रतन खो दिया।

देश ने अपना असली रतन को खो दिया। सादा जीवन उच्च विचार को मानने वाले सच्चे देश भक्त व उद्योगपति रतन टाटा का गत दिनों निधन हो गया है। रतन टाटा ने एक बार कहा था कि 'हम लोग इंसान हैं, कोई कंप्यूटर नहीं। इसलिए जीवन का मजा लीजिए। इसे हमेशा गंभीर मत बनाइए।' उनके ये विचार किसी भी इंसान को न सिर्फ जीवन के वास्तविक यथार्थ से परिचित कराएंगे, बल्कि जीवन को कैसे जिएं यह भी सिखाएंगे। उनका निधन भारत के लिए अपूर्णनीय क्षति है। वैसे तो देश में कई बड़े-बड़े उद्योगपतियों की मृत्यु हुई पर रतन टाटा की मृत्यु के बाद जिस तरह से पूरे देश में आमजनों से अपनी संवेदना व्यक्त की वह उनके व्यक्तित्व को बताने के लिए काफी है। जमशेदपुर से लकर मुंबई तक उनकी याद में लोगों ने मौन रखे व उन्हें याद किया। वाकई रतन टाटा की मृत्यु के बाद पता चल रहा है कि हमने वाकई अनमोल रतन खो दिया। भारत के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा संस के पूर्व चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

टाटा ग्रुप का प्रतिष्ठित चेहरा रहे रतन टाटा ने कंपनी की 150 साल से भी ज्यादा पुरानी विरासत को आगे ले जाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। रतन टाटा केवल अपने कर्मचारियों के कल्याण के प्रति ही सजग और संवेदनशील नहीं थे बल्कि वह समाज सेवा का जज्बा रखते थे। टाटा के बनाए अनेक संस्थान समाज और राष्ट्र निर्माण का काम करते हैं। रतन टाटा उन दानवीरों में थे जो इसका प्रचार नहीं करते थे कि उन्होंने लोगों के कल्याण के लिए कितना पैसा खर्च किया है। अपने कार्यकाल में वह टाटा ग्रुप को वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने में सफल रहे। रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा ग्रुप का कारोबार तेजी से आगे बढ़ा और देश ही नहीं दुनियाभर में टाटा का डंका बजा। अपनी विनम्रता, करुणा और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए पहचान बनाने वाले रतन टाटा ने आर्थिक सुधार और वैश्वीकरण के दौर में न सिर्फ टाटा ग्रुप का मार्गदर्शन किया, बल्कि दो दशक से अधिक समय तक भारतीय व्यापार परिदृश्य को नया आकार देने में मदद की। अपने व्यावसायिक कौशल से परे रतन टाटा को उनकी ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था, जिसने उन्हें भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बना दिया। रतन टाटा अक्सर कहते थे कि हमारी दादी ने हमें हर कीमत पर गरिमा बनाए रखना सिखाया। यह एक ऐसा मूल्य है, जो आज तक मेरे साथ है। उनके इसी गुण ने उनके प्रभाव को व्यापार के पारंपरिक क्षेत्रों से कहीं आगे तक फैलाया। उनकी साख केवल उद्योग जगत में ही नहीं थी। वह इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम और एक्स पर भी बेहद लोकप्रिय थे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेताजी ने समाजवादी आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की

– डॉ सुनीलम

नेताजी मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि है। देशभर में समाजवादी पार्टी के कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए । जिसे भी नेताजी के साथ काम करने का मौका मिला था उसने अपने संस्मरण सांझा किए, जिनसे नेताजी के बहुआयामी व्यक्तित्व को जाना-समझा जा सकता है। जब भी मैं नेताजी के बारे में सोचता हूं तब मुझे लगता है कि यदि व्यक्ति दृढ़ संकल्पित हो तो सभी रूकावटों को दूर कर अपने उद्देश्य की ओर बढ़ सकता है। सैफई गांव के एक साधारण परिवार में जन्म लेकर शिक्षक की नौकरी और पहलवानी करते हुए देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश का तीन बार मुख्यमंत्री, एक बार देश के रक्षा मंत्री बनना कोई साधारण बात नहीं है। यह सर्वविदित है एक बार ऐसा समय आया जब प्रधानमंत्री के तौर पर उनका नाम लगभग तय हो गया था। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि भारतीय लोकतांत्रिक संसदीय व्यवस्था में अभी भी समाजवादी विचार के लिए संभावनाएं बाकी है।

17 मई 1934 को आचार्य नरेंद्र देव, लोकनायक जय प्रकाश नारायण, डॉ राम मनोहर लोहिया आदि 100 समाजवादियों ने नासिक जेल में लिए गए निर्णय के अनुसार कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन कांग्रेस पार्टी के भीतर 90 वर्ष पहले किया था। समाजवादी आजादी के बाद 1948 में कांग्रेस पार्टी से अलग हुए तब से लेकर 1977 तक सोशलिस्ट पार्टी देश में अलग-अलग नाम से काम करती रही। जयप्रकाश जी की प्रेरणा से लोकतंत्र की बहाली के लिए जनता पार्टी के गठन होने के बाद सोशलिस्ट पार्टी का पृथक अस्तित्व समाप्त हो गया। जनता पार्टी के टूटने के बाद जनसंघ ने भारतीय जनता पार्टी बना ली लेकिन समाजवादियों ने सोशलिस्ट पार्टी को पुनर्जीवित नहीं किया। लेकिन 1992 में यानी 32 वर्ष पहले मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी का गठन किया। यह पार्टी देश के सबसे बड़े उत्तर प्रदेश में अब तक चार बार सरकारें बना चुकी है। समाजवादी पार्टी आज देश में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। जिसके लोकसभा में 37 और राज्य सभा में 4 सदस्य है।

समाजवादियों का मजाक लगातार यह कहकर उड़ाया जाता है कि वे न तो ज्यादा समय एक रह सकते हैं और न ही अलग, लेकिन नेताजी की समाजवादी पार्टी ने पिछले 32 वर्षों में बिना बड़ी टूट के पार्टी चलाकर इस मिथक को खत्म करने का काम किया

है, जिसमें मुलायम सिंह यादव की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डॉ लोहिया ने पिछड़े वर्गों के लिए एक नारा दिया था जिसे देश भर के समाजवादी लगभग रोज दोहराते हैं – सोशलिस्टों ने बांधी गांठ, पिछड़ा पावे सौ में साठ। मुलायम सिंह यादव आजीवन इस सूत्र पर चलते रहे। उन्होंने सामाजिक न्याय की राजनीति को हर स्तर पर न केवल स्थापित किया बल्कि विस्तार भी किया। मंडल कमीशन की सिफारिशों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान सम्मान बताए जाने के बाद लोगों को लगा था कि अब सामाजिक न्याय पर बहस समाप्त हो जाएगी लेकिन नेताजी ने दलितों की आवाज बनकर उभरे काशीराम को इटावा से चुनाव जितवाकर सामाजिक न्याय की राजनीति को एक नया आयाम दिया। नेताजी के इस प्रयोग से सांप्रदायिक ताकतों को रोका जा सका। अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी के साथ चुनावी समझौता कर दूसरी बार इसे आगे बढ़ाया। अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की एकजुटता पर आधारित राजनीति को व्यापकता प्रदान करते हुए डॉ लोहिया के विचारों के आधार पर बनी समाजवादी पार्टी को बाबा साहब के विचारों के साथ जोड़ने का महत्पूर्ण कार्य किया, उन्होंने बाबा साहेब के साथ काशीराम को भी समाजवादियों के बीच स्थापित किया। आज समाजवादी पार्टी द्वारा डॉ लोहिया के साथ-साथ बाबा साहब अंबेडकर, नेताजी और काशीराम को विशेष स्थान दिया जाता है। इसके नतीजे भी निकले हैं। समाजवादी पार्टी के 41 सांसदों में अधिकतर सांसद सामाजिक न्याय की धारा का प्रतिनिधित्व करते हैं। नेताजी ने फूलन देवी को चुनाव लड़वाकर और जितवाकर अपनी प्रतिबद्धता जिस तरह साबित की थी उसी तरह अखिलेश यादव ने अयोध्या की सामान्य सीट से दलित नेता अवधेश प्रसाद को चुनाव लड़वाकर और जितवाकर अपनी प्रतिबद्धता साबित की है।

नेताजी पर तमाम लोग जातिवादी होने का आरोप लगाते हैं लेकिन यह सर्वविदित है कि उनके नजदीकी साथियों में जनेश्वर मिश्र, कपिल देव सिंह, बेनी प्रसाद वर्मा, आजम खान, भगवती सिंह, रामशरण दास, माता प्रसाद पाण्डेय, बृजभूषण तिवारी, मोहन सिंह, किरणमय नंदा राजेंद्र चौधरी, अंबिका चौधरी, रामगोविंद चौधरी, अमर सिंह जैसे गैर यादव समाजवादी साथी रहे हैं। नेताजी का एक बड़ा योगदान सांप्रदायिक ताकतों का पूरी ताकत लगाकर बिना सत्ता की चिंता किए मुकाबला करना था। उन्हें मुल्ला मुलायम और हिंदुओं का हत्यारा कह कर समाज में अलग-थलग करने का प्रयास हुआ लेकिन वे न डरे, न झुके और न ही उन्होंने कोई समझौता किया। संविधान की पुस्तक को बिना प्रदर्शित किये उन्होंने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सत्ता को लात मार दी।

तार्किक वजह भी तो है इस खामोशी की

क्षमा शर्मा

मध्यकाल के महान भक्त कवि तुलसीदास ने लिखा था- कोउ नृप होय, हमें का हानि। सोचिए कि तुलसी ने ऐसा क्यों लिखा होगा। हानि शब्द पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कारण यह है कि सत्ता के बारे में अकसर लोग शंकित रहते हैं कि सत्ता में जो हो, उससे जरा बचकर रहना चाहिए। वह लाभ पहुंचाए या न पहुंचाए, हानि तो जरूर पहुंचा सकता है। आज के दौर में भी यह बात पूरी तरह से सच है। नेताओं से तो लोग वैसे ही डरकर रहते हैं। हरियाणा चुनाव में हमने देखा कि लगभग सारे एग्जिट पोल्स, ओपिनियन पोल्स, बुद्धिजीवियों की फौज की लगातार की बहुत-सी बहसें, गलत साबित हुईं। जून में लोकसभा चुनाव के वक्त भी यही हुआ था। योगेंद्र यादव, जो खुद हरियाणा के हैं, हाल ही में उन्होंने एक भाषण के दौरान कहा था कि हरियाणा में कांग्रेस के बारे में तीन बातें कही जा सकती हैं कि कांग्रेस की हवा बह रही है, कांग्रेस की आंधी चल रही है या कांग्रेस की सुनामी आ रही है।

हरियाणा के परिणाम के बाद मशहूर पत्रकार बरखा दत्त को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह गलत साबित हुए और इसका खेद है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्होंने लगभग सौ चुनावी विश्लेषण किए हैं, मगर चुनाव का ऐसा उलटफेर पहली बार देखा। योगेंद्र यादव मशहूर चुनावी विश्लेषक या सैफोलोजिस्ट रह चुके हैं। उनका यह बड़प्पन माना जाएगा कि अपनी गलती फौरन स्वीकार भी की। अक्सर लोग ऐसा नहीं करते हैं। समय के साथ तमाम चुनावी विश्लेषणों की विश्वसनीयता पर संकट गहराता जा रहा है। कई बार तो लगता है कि जैसे कोई कहीं गया ही नहीं । बैठकर ही, कुछ से बातें करके करोड़ों, लाखों के आंकड़े निकाल लिए गए। जम्मू-कश्मीर का चुनाव जीतने के बाद उमर अब्दुल्ला ने कहा भी कि एग्जिट पोल खामखा का टाइम वेस्ट है। दरअसल, ऐसा महसूस होता है कि चुनावी विश्लेषक लोगों को अपने से कम बुद्धिमान समझते हैं। बहुत से बुद्धिजीवियों और पत्रकारों का भी यही हाल है। उन्हें लगता है कि जो वे बता रहे हैं, बस वही सच है। जबकि ऐसा होता नहीं है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का यह बयान गौर करने लायक है कि उनकी पार्टी की जीत में साइलेंट वोटर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आखिर यह साइलेंट वोटर कौन होता है। वही न जो अपने मन की बात किसी को नहीं बताता। और क्यों बताए। विश्लेषक तो अपने-अपने माइक्रोफोन लेकर निकल लेंगे, कभी न लौटने के लिए। भुगतना तो उसे पड़ेगा। वैसे भी स्थानीय नेताओं का खुलेआम विरोध करके कौन आफत मोल लेना चाहता है। खुलकर विरोध वे लोग नहीं कर पाते जो, अकेले होते हैं, घर परिवार और जीवन चलाना होता है। जिनके पीछे किसी न किसी संगठन की ताकत होती है, वे ही खुलकर बोल पाते हैं क्योंकि यदि कोई मुसीबत आए भी तो संगठन के लोग उन्हें बचा सकते हैं। खुलकर विरोध का मतलब कई बार जीवन भर की दुश्मनी मोल लेना भी होता है।

इसे अनुभूत उदाहरणों से बताना चाहूंगी। जिस संस्थान में काम करती थी, वहां यूनियन के चुनावों के दौरान अकसर ही सभी गुटों और नेताओं से यही कहना पड़ता था कि हां जी आपको ही वोट देंगे। दरअसल, जो लोग सत्ता में आते थे, और उन्हें पता चल जाए कि इस आदमी या महिला ने हमें वोट नहीं दिया, तो उसके इन्क्रीमेंट, प्रमोशन रुकवाने की कोशिश, छिपाकर नहीं, बताकर की जाती थी कि तुमने हमें वोट नहीं दिया था, तो हम तुम्हारा प्रमोशन क्यों होने दें। इसी तरह एक सोसायटी में रहने वाली महिला ने बताया था कि उसकी सोसायटी का जनरल सेक्रेटरी उसकी रजिस्ट्री नहीं होने दे रहा है। पूछने पर उसने कहा कि वे लोग कहते हैं कि तुमने हमें वोट नहीं दिया, तो हम तुम्हारी रजिस्ट्री क्यों होने दें। वोटर क्यों किसी बाहर वाले को अपने मन की बात नहीं बताता, इसे इन दो उद्धरणों से समझा जा सकता है। चुनावी विश्लेषक सोचते हैं कि जो लोग कह रहे हैं, वही अंतिम सत्य है और वे अपने आंकड़ों में उसे ही परोस देते हैं। उमर अब्दुल्ला ने आखिर गलत भी नहीं कहा। आखिर क्यों इन विश्लेषणों पर लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किए जाएं और नतीजा सिफर रहे। ऊपर तुलसी की पंक्तियों में जिस हानि की बात कही गई, वह बार-बार साबित होती है। और वैसे भी जब कोई अपने आसपास वालों तक को अपने मन की बात नहीं बताता, तो बाहर से आए इन तथाकथित विशेषज्ञों को क्यों बताए। ये बार-बार चाहे कहते रहें कि वोटर का मूड इन्हें पता चल गया है, लेकिन गलत साबित हुए एग्जिट पोल यही बताते हैं कि वोटर इन्हें अपने मूड की, अपने मन की बात की भनक तक नहीं लगने देता।

लोकतंत्र में अगर हार-जीत न हो, तो वह किस बात का लोकतंत्र। लेकिन देश की परिपक्व पार्टी यदि इस तरह से रिएक्ट करती है, उससे भी आश्चर्य होता है। आप जीत जाएं तो न इलेक्शन कमीशन गलत है, न ईवीएम गलत हैं। लेकिन जैसे ही हारते हैं, रुदन शुरू हो जाता है। सब बातों पर प्रश्न उठाए जाने लगते हैं। आखिर क्यों। जब जीतते हैं, तब भी तो वही चुनाव आयोग होता है, वही ईवीएम भी होती हैं। इस तरह की प्रतिक्रियाएं देखकर बच्चे याद आते हैं, जो कभी हारना नहीं चाहते। हार जाएं तो रोते हुए कहते हैं कि मैं नहीं हारा। मैं नहीं मानता। इस तरह की प्रतिक्रियाएं बहुत हास्यास्पद लगती हैं। और एक तरह से वोटरों का अपमान भी। आखिर आप वोटर के विवेक पर यकीन क्यों नहीं करते। जिस बैलट पेपर को बार-बार वापस लाने की बातें की जा रही हैं, क्या हम वे दिन भूल गए हैं, जब लोगों को वोट ही नहीं डालने दिए जाते थे।

लोगों में जानलेवा साबित हो रहा है डेंगू

डेंगू बुखार के लक्षण

- डेंगू वायरस से संक्रमित होने के 3 से 14 दिनों के बाद ही किसी व्यक्ति में लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर 4 या 7 दिनों के बाद लक्षण दिखना शुरू हो जाता है।
- डेंगू वायरस के खून में फैलने के एक घंटे में ही संधियों में दर्द शुरू हो जाता है, और व्यक्ति को 104 डिग्री तक बुखार भी आता है।
- ब्लड प्रेशर का तेजी से गिरना और हृदयगति का कम होना।
- आँखों का लाल होना और दर्द होना।
- चेहरे पर गुलाबी दाने निकलना डेंगू का सूचक है।
- भूख ना लगना, सिर दर्द, ठंड लगना, बुखार आना। इन चीजों के साथ डेंगू की शुरुआत होती है।
- यह सभी लक्षण डेंगू के पहले चरण में होते हैं। यह चार दिन तक चल सकते है।
- डेंगू के दूसरे चरण में बढ़ा हुआ शरीर का तापमान कम हो जाता है, और पसीना आने लगता है। इस समय शरीर का तापमान सामान्य होकर रोगी बेहतर महसूस करने लगता है, लेकिन यह एक दिन से ज्यादा नहीं रहता।
- डेंगू के तीसरे चरण में शरीर का तापमान पहले से और अधिक बढ़ने लगता है, और पूरे शरीर पर लाल दाने दिखने लगते हैं।

डेंगू बुखार एक जानलेवा मच्छरों के संक्रमण से होने वाली बीमारी है। यह बीमारी डेंगू वायरस द्वारा प्रसारित होती है, जिसे एडिस मच्छर के काटने से व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है। डेंगू बुखार जनस्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा प्रदर्शित करता है, खासकर उष्णकटिबंधीय और अर्ध-उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में। डेंगू वायरस में चार अलग-अलग सीरोटाइप शामिल हैं, और यह फ्लेवीवायरिडी परिवार का हिस्सा होता है। संक्रमित मच्छर द्वारा काटने पर, वायरस रक्तमांशमें प्रवेश करता है और कई लक्षणों का कारण बनता है।

इन उपायों से करें फीवर का घरेलू उपचार

नीम के पत्तों का रस

नीम के पत्तों का रस पीने से प्लेटलेट्स और सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि होती है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली में भी सुधार करता है। इसलिए डेंगू के इलाज के दौरान चिकित्सक की सलाह अनुसार नीम का सेवन करें।

तुलसी का प्रयोग

तुलसी की पत्तियां डेंगू बुखार में बहुत फायदेमंद साबित होती हैं। यह शरीर से विषाक्त तत्वों को बाहर निकालती हैं, और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं। 5-7 तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं। इसमें एक चुटकी काली मिर्च मिलाकर पिएँ।

पपीते से करें डेंगू बुखार का इलाज

पपीते के पत्ते डेंगू बुखार में बहुत लाभदायक होते हैं। अगर आपको डेंगू बुखार के लक्षण नजर आते हैं तो चिकित्सक की सलाह के अनुसार इसका सेवन करें। पपीते में मौजूद पोषक तत्वों और कार्बनिक यौगिकों का मिश्रण प्लेटलेट्स की संख्या में वृद्धि करता है।

जौ से करें उपचार

जौ घास में रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को सही करके, शरीर प्लेटलेट्स की संख्या में वृद्धि करने की क्षमता होती है। डेंगू बुखार के समय खून में प्लेटलेट्स की संख्या बहुत कम हो जाती है, इसलिए जौ घास का सेवन बहुत लाभदायक होता है। जौ घास से काढ़ा बनाकर पिएँ। इस घास को खा भी सकते हैं। यह डेंगू बुखार के लक्षणों को कम करने में बहुत कारगर है।

नारियल पानी का सेवन

डेंगू में फायदेमंद
डेंगू के इलाज के दौरान नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद जरूरी पोषक तत्व जैसे मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को मजबूत बनाते हैं।

संतरे का करें उपयोग

संतरे के रस में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी होता है, जो डेंगू फीवर के वायरस को नष्ट करने के लिए बेहतर माना जाता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत करता है।

गिलोय

गिलोय डेंगू बुखार के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण जड़ी बूटी है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और शरीर के संक्रमण में कमी लाता है। गिलोय के तने को उबाल कर इसका काढ़ा बनाकर पिएँ। यह डेंगू के लक्षणों को असरदार तरीके से कम करता है। 2-3 ग्राम गिलोय पीस लें। इसमें 5-6 तुलसी की पत्तियाँ मिलाकर एक गिलास पानी में उबाल कर काढ़ा बना लें। इसे मरीज को पिलाएँ।

हंसना मना है

मालिक ने नौकर से कहा: मच्छर मार दो
नौकर आलस में था थोड़ी देर बाद भी मच्छर गुनगुना रहे थे मालिक ने फिर नौकर से कहा: मच्छर मारे नहीं क्या?
नौकर ने मालिक से कहा: मच्छर तो मार दिये ये तो उनकी विधवा पत्नियों के रोने की आवाज है!

सप्पू: सबसे शुद्ध माल अपने कस्टमर को कौन बेचता है? गप्पू: बिजली विभाग
सप्पू: वो कैसे? गप्पू: हाथ लगाकर देख, पता चल जाएगा।

डॉक्टर: आपके पति को बहुत ज्यादा आराम की जरूरत है, ये लो नींद की गोलियां
पत्नी: उन्हें ये कब देनी है डॉक्टर
डॉक्टर: ये उनके लिए नहीं, आपके लिए हैं!

दो पागलों ने पागलखाने से भागने का प्लान बनाया। पहला: कल जैसे ही गेट खुलेगा हम चौकीदार को पकड़कर मार देंगे और भाग जाएंगे। दूसरा: हां आइडिया अच्छा है अगले दिन सुबह दोनों जैसे ही भाग कर गेट के पास गए देखा- गेट खुला था चौकीदार गायब था। पहला- अरे यार ये चौकीदार कहां गया.. अगर वो होता तो हम प्लान के मुताबिक आज भाग सकते थे दूसरा- कोई नहीं यार चलो कल try करते हैं।

कहानी — बुद्धिमान काजी

एक दिन राजा अपने दरबार में बैठा था और बुद्धिमान काजी उसके पीछे बैठा था। जब वे बात कर रहे थे, तभी एक कौआ उड़ता हुआ वहाँ आया और उसने जोरों से काँव-काँव की। काँव, काँव, काँव! कौआ करता रहा और हर कोई उसकी इस गुस्ताखी से अचंभित था। राजा ने कहा, इस पक्षी को यहाँ से निकालो। और तुरंत पक्षी को महल से बाहर निकाल दिया गया। पाँच मिनट बाद फिर से कौआ उड़कर काँव, काँव, काँव के साथ वहाँ आ गया। क्रुद्ध राजा ने कौए को गोली मारने का आदेश दिया। अभी नहीं, महाराज। बुद्धिमान काजी ने रोका, शायद आपकी बाकी प्रजा की तरह से यह कौआ भी आपके सामने अपनी कोई फरियाद लेकर आया है। बहुत अच्छा, तो तुरंत इसकी जाँच की जानी चाहिए। राजा ने आदेश दिया और एक सिपाही को यह पता लगाने के लिए नियुक्त कर दिया कि कौवा क्या चाहता था। जैसे ही सिपाही महल से निकला, कौवा भी उड़कर बाहर आया और सिपाही के आगे-आगे नीचे उड़ता हुआ उसे निकट ही लगे हुए एक चिनार के सुंदर पेड़ तक ले गया। वहाँ पहुँचकर कौआ एक घोंसले में जा बैठा, जो उस डाली पर टिका हुआ था, जिसे एक लकड़हारा काट रहा था। पूरे समय कौआ बहुत जोर से काँव-काँव करता रहा। सिपाही तुरंत सारी स्थिति को समझ गया और उस आदमी को डाली काटने से रोकने का आदेश दिया। जैसे ही आदमी नीचे जमीन पर पहुँचा, कौए ने शोर मचाना बंद कर दिया। क्या तुमने वह डाली काटनी शुरू करने से पहले उस पर पक्षी का घोंसला नहीं देखा था? सिपाही ने पूछा। मेरे लिए एक पक्षी का घोंसला क्या है? आदमी ने बेअदबी से जवाब दिया, शायद तुमसे थोड़ा सा अधिक कीमती। इस तरह से क्रोध दिलाए जाने पर सिपाही ने लकड़हारे को गिरफ्तार कर लिया और उसे राजा के पास ले गया तथा क?या हुआ था, उसकी सारी सूचना दी। राजा काजी की तरफ मुड़ा और पूछा, इस आदमी को इसकी गुस्ताखी के लिए क्या दंड दिया जाना चाहिए? काजी ने जवाब दिया, महाराज, कुत्ते कभी-कभी भौंकते हैं। अगर इस आदमी को पहले से पता होता कि सिपाही इस राज्य के आदेश का पालन कर रहा था और अपना खुद का हुक्म नहीं चला रहा था तो किसी भी प्रकार की गुस्ताखी नहीं होती। शायद यह आदमी पहले ही पछता रहा है। इसको दंड के रूप में कुछ बेंत लगाए जा सकते हैं। लकड़हारे के तलवों पर पाँच बेंत लगाए गए और उसे छोड़ दिया गया। हालाँकि दंड कठोर नहीं था, उसे अपने घर तक के पूरे रास्ते में उछल-उछलकर चलना पड़ा था।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृषभ — व्यावसायिक यात्रा में आज सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन — कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क — आज कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

सिंह — नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

कन्या — शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

तुला — पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — आज व्यवसाय ठीक चलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है।

धनु — प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मकर — धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुम्भ — पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन — पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कंगना के राजनीति में आने से खुश हैं मीरा चोपड़ा

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जिस तरह हमेशा मीडिया लाइमलाइट में रहती हैं, उसी तरह उनका परिवार भी हमेशा चर्चा में रहता है। अभिनेत्री की कजिन मीरा चोपड़ा भी अपने बयान को लेकर काफी सुर्खियां बटोरती हैं। अब हाल ही में, मीरा चोपड़ा अभिनेत्री कंगना रनौत के समर्थन में आई हैं और राजनीति में आने के उनके फैसले की भी सराहना की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। मीरा चोपड़ा का कहना है कि यह कंगना जैसे युवाओं के लिए राजनीति में शामिल होने का सही समय है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि कंगना अभी भी शुरुआती समस्याओं का सामना कर रही हैं क्योंकि वह राजनीतिज्ञ बनने के लिए नई हैं, लेकिन उन्हें यकीन है कि कंगना अपना रास्ता खोज लेंगी और आगे बहुत अच्छा करेंगी। हाल ही में, मीरा ने एक इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि युवाओं के लिए राजनीति में आने का समय आ गया है। कंगना को देखिए। मुझे लगता है कि उनके लिए इसमें शामिल होने का यह सबसे अच्छा समय है, हालांकि मैं कहूंगी कि वह एक बेहतर अभिनेत्री हैं, लेकिन उन्होंने अभी शुरुआत की है। यही नहीं, मीरा ने कबूल किया कि वह कंगना रनौत की प्रशंसक हैं क्योंकि वह फिल्म इंडस्ट्री में उनके दिखाए गए साहस और बेबाकी की प्रशंसा करती हैं। उन्होंने कहा, ‘मैं कंगना की प्रशंसक हूं। मैं कंगना की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि उन्होंने इस इंडस्ट्री में जो किया है, वह बॉलीवुड की शुरुआत से लेकर अब तक कोई भी अन्य अभिनेत्री नहीं कर पाई है। मीरा ने आगे कहा, वह एक योद्धा है। वह अकेली है, और इसी तरह वह काम कर रही है। वह सब कुछ कर रही है। आज तक कोई भी यह सब करने में कामयाब नहीं हुआ है।

मर्डर में सेट पर इमरान ने बोल्ड सीन के वक्त काफी मदद की : मल्लिका

मल्लिका शेरावत इन दिनों फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अपनी वापसी के साथ ही मल्लिका फिल्म उद्योग में अपने शुरुआती दिनों को याद किया, जब उन्होंने निर्देशक महेश भट्ट की फिल्म मर्डर की थी। हाल ही में अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने स्वीकार किया कि फिल्म मर्डर में बोल्ड दृश्यों को फिल्माते समय उन्हें कुछ काफी असहजता महसूस हुई थी, लेकिन उन्होंने बताया कि महेश भट्ट और इमरान हाशमी ने उन्हें सहज महसूस कराने में काफी मदद की थी। फिल्म निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट की फिल्म मर्डर में मल्लिका शेरावत के साथ इमरान हाशमी की जोड़ी काफी पसंद की गई थी। लेकिन सबसे ज्यादा उस समय और आज भी चर्चा में रहता है दोनों के बीच फिल्माए गए बोल्ड सीन। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में मल्लिका ने कहा कि फिल्मों में बोल्ड सीन के वक्त

कोई भी असहज महसूस करेगा, लेकिन महेश भट्ट और इमरान दोनों ने उसे सहज महसूस कराया और सभी लड़कियां सेट पर बहुत सुरक्षित महसूस करती थीं।

मल्लिका ने बताया कि महेश भट्ट की फिल्म मर्डर के सेट पर काम करते वक्त उन्हें हमेशा सुरक्षित और सशक्त महसूस होता था। मर्डर में बोल्ड और इंटेंस सीन फिल्माने के अपने अनुभव को याद करते हुए मल्लिका ने महेश और फिल्म में उनके सह-कलाकार इमरान हाशमी द्वारा बनाए गए साकारत्मक माहौल की तारीफ की, जिसकी वजह से वह फिल्म के सेट पर सहज महसूस करती थीं।

मल्लिका ने कहा, ‘महेश भट्ट की फिल्मों के सेट पर सभी लड़कियां बहुत सुरक्षित हैं। मर्डर में बोल्ड सीन करते समय भी मुझे बहुत सुरक्षित महसूस हुआ। बेशक, यूनिट के बहुत से लोगों के होने की वजह से थोड़ा असहज महसूस होता है। लेकिन भट्ट साहब और इमरान हाशमी दोनों ने मुझे बहुत सहज महसूस कराया।

अब आगे नहीं खिसकेगी अजित की फिल्म गुड बैड अग्ली

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार इन दिनों अपनी फिल्म गुड बैड अग्ली को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। फिल्म की शूटिंग आखिरी चरण पर चल रही है। हाल ही में फिल्म से अजित का पहला लुक सामने आया था, जिसमें वे माफिया डॉन के किरदार में नजर आए थे। वहीं, अब सेट से अभिनेता की एक और तस्वीर सामने आई है। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया।

अभिनेता अजित कुमार वर्तमान में मैड्रिड में फिल्म गुड बैड अग्ली की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभिनेता के नए लुक की दो नई तस्वीरें जारी की हैं और वे वायरल हो रही हैं। नई तस्वीरों के साथ गुड बैड अग्ली टीम ने फिर से पुष्टि की कि फिल्म पोंगल 2025 पर सिनेमाघरों में आएगी। गुड बैड अग्ली को आदिक रविचंद्रन द्वारा निर्देशित एक एक्शन कॉमेडी बताया जा रहा है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स ने आइवरी ब्लेजर और ट्राउजर के साथ ब्राउन प्रिंटेड शर्ट में अजीत की एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, मैड्रिड में गुड बैड अग्ली की शूटिंग से एक शानदार दिखने वाले अजित कुमार। पोंगल 2025 के लिए बड़े पर्दे पर शानदार मनोरंजन। 11 अक्टूबर को अजीत के मैनेजर ने अभिनेता का एक और नया लुक शेयर किया, जिसमें वह नीली शर्ट और पैंट के साथ सस्पेंडर्स पहने हुए हैं। कैप्शन में लिखा था, अजीत कुमार गुड बैड अग्ली के सेट पर बेहद कूल लुक में दिखे।

अजब-गजब | यहां जिनके पास गाय नहीं होती उन्हें माना जाता है मृतक

यहां बंदूकों से की जाती है गाय की रक्षा

आज हम आपको एक ऐसी अनोखी जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, जो गायों पर जान छिड़कते हैं। इनकी रक्षा वो एके 47 जैसी खतरनाक हथियार से करते हैं। इस जनजाति का नाम मुंदरी ट्राइब है, जो अफ्रीकी देश सूडान में रहते हैं। इनके लिए गाय ही सबकुछ है।

हमारे देश भारत में जहां गाय को माता का दर्जा प्राप्त है, बावजूद इसके गोतस्करी के मामले सामने आते रहते हैं। लेकिन सूडान के मुंदरी ट्राइब्स के एरिया में अगर गायों पर कोई खतरा दिख जाए, तो ये लोग जान लेकर या फिर जान देकर उसकी रक्षा करते हैं। मुंदरी ट्राइब्स के लोगों के लिए गाय का होना जिंदगी के सामान है। जिन लोगों के पास गाय नहीं होती है, उनके मृतक जैसा समझा जाता है। इस जनजाति के लोग गायों को बहुत ज्यादा मानते हैं, क्योंकि इन्हें चलता-फिरता दवाखाना और पैसों का भंडार माना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि मुंदरी ट्राइब्स के लोग अपने मवेशियों के साथ ही सोते हैं। कोई इन मवेशियों को मार न दे या फिर चुरा न ले, इसलिए एके 47 जैसे एडवांस हथियार से दिन-रात सुरक्षा में लगे रहते हैं। बता दें कि यह जनजाति दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा से लगभग 75 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा

में रहती है।

मुंदरी समुदाय के लोग गायों को 'मवेशियों का राजा' कहते हैं। यहां की गायों की लंबाई भी सामान्य गायों से ज्यादा होती है। यहां पाए जाने वाली गायों की ऊंचाई 7 से 8 फिट होती है, जबकि लंबाई इससे भी ज्यादा। गोहत्या को सबसे बड़ा पाप समझने वाले मुंदरी ट्राइब्स के लोगों को शादियों में भी गाय ही मिलती है। इन लोगों के लिए गाय ही सबकुछ होती हैं। ऐसे में ये लोग अपने बच्चों की देखभाल करें या न करें, उन्हें फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन गायों की देखभाल में कोई कमी नहीं रखते। ये लोग गायों को गर्मी से बचाने के लिए भभूत भी लगाते हैं। साथ ही उसके गोबर से लेकर मूत्र तक को बहुत शुद्ध और पवित्र मानते हैं। यहां के लोग गोमूत्र से अपना सिर धोते हैं, वहीं गोबर से दांत साफ करते हैं। इतना ही नहीं, गोबर को सुखाकर इसे पाउडर के तौर पर भी इस्तेमाल करते हैं। मुंदरी जनजाति के लोग गोमूत्र को पीते भी हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनकी गंदगी दूर होती है।

बता दें कि दक्षिण सूडान में भयानक गर्मी पड़ती है। पानी तक की कमी हो जाती है। सूखे के हालात बन जाते हैं। तब भी इस जनजाति के लोग गायों की सेवा में कोई कमी नहीं लाते। पानी की कमी होने के बावजूद ये खुद भले कम पानी पिएं, लेकिन गायों को भरपूर पानी देते हैं। इनके लिए कमाई एकमात्र जरिया ये गाय ही होती हैं। इन गायों की कीमत 40 से 50 हजार रुपए तक होती है। अगर किसी गाय की मौत हो जाए, तो यहां के लोग रोकर शोक मनाते हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो कोई परिवार का सदस्य गुजर गया हो। गायों की मौत के बाद कुछ दिनों तक ये लोग खाना-पीना तक छोड़ देते हैं। गाय को ये अपने परिवार का सबसे अहम हिस्सा मानते हैं। वहीं, इनकी गाय भी बेहद समझदार होती हैं। अपने मालिक की आवाज को पहचान कर खुद को सुरक्षित होने का उत्तर देती हैं। इन लोगों का मानना है कि गायों के गोमूत्र और गोबर से बीमारियां दूर रहती हैं।

इस समुदाय में मौत के बाद गिद्ध को खिला देते हैं लाश

मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया है. उनके जाने से भारत में शोक की लहर है। वो एक पारसी थे। भारत में पारसियों की आबादी काफी कम है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 57,264 पारसी थे। हालांकि, भारतीय परसियों ने देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में बहुत योगदान दिया। टाटा का परिवार इस बात का उदाहरण है। पारसियों से जुड़ी एक और बात दुनिया को हैरान करती है। वो है उनकी अंतिम संस्कार की परंपरा। जोरोएस्ट्रिनिइजम यानी परसी धर्म में मरने वालों के पार्थिव शरीर को न ही जलाया जाता है और न ही दफनाया जाता है। चलिए आपको बताते हैं कि इस परंपरा में क्या अनोखा है। पारसियों में टावर ऑफ साइलेंस में शव को रखने की परंपरा है। इसे दखमा कहा जाता है। मुंबई में ये एक जगह है, जहां लाश को रखा जाता है। यहां गिद्ध मौजूद होते हैं। लाश को गिद्धों के हवाले कर देते हैं। जो उसे नोच-नोचकर खा जाते हैं। पर सोचने वाली बात है कि इस धर्म में अंतिम संस्कार ऐसा क्यों है? जोरोएस्ट्रिनिइजम धर्म में जीवन को अंधेरे और रोशनी के बीच की जंग माना जाता है। जब इंसान की मौत हो जाती है, यानी वो अंधकार में चला जाता है, जिसे बुराई भी माना जाता है। उनका मानना है कि जब व्यक्ति मर जाता है तो उसके शरीर पर बुरी शक्तियों का वास हो जाता है। लोग नहीं चाहते कि ये बुरी शक्ति प्रकृति के किसी भी तत्व में मिले। इस धर्म में धरती, अग्नि और पानी को प्रकृति का सबसे महत्वपूर्ण तत्व माना जाता है। अगर वो लाश को दफनाएं या जलाएं, तो वो बुरी शक्तियां इन तत्वों में मिल जाएंगी। गिद्धों को लाश खिलाने से वो बुरी शक्तियां किसी भी तत्व में प्रत्यक्ष तौर पर नहीं मिलतीं, मगर परोक्ष रूप से मिल भी जाती हैं। इसके अलावा गिद्धों को लाश खिलाकर मरने वाला मौत के बाद भी दान कर के जाता है। इसे इंसान का आखिरी दान माना जाता है। द हिन्दू की एक रिपोर्ट के अनुसार धीरे-धीरे पारसियों में ये परंपरा खत्म होती जा रही है क्योंकि गिद्ध विलुप्त होते जा रहे हैं। अब पारसियों में लाश को जलाने की परंपरा शुरू होती जा रही है।

नेताओं के पुत्रों की करतूत पर सियासी बवाल

» मप्र में बीजेपी-कांग्रेस के बड़े नेताओं के बेटों की एमपी पुलिस को धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में नेताओं के पुत्रों के बिगड़ बोल से सियासी बवाल मच गया है। जहां कांग्रेस के पूव सीएम दिग्विजय सिंह के भतीजे के बयान पर भाजपा ने वार किया है तो भाजपा सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल के पुत्र की धमकी के बाद कांग्रेस ने पलटवार किया है। दरअसल, हाल ही में प्रदेश में ऐसी दो घटनाएं हुई जब नेता पुत्र ने बीच सड़क पर एमपी पुलिस को धमकी दी। पहले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भतीजे और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह के बेटे आदित्य विक्रम सिंह द्वारा पुलिस को दी गई धमकी का वीडिओ वायरल हुआ। जिसमें वे राधौगढ़ की महिला एसडीओपी दीपा डोडवे और टीआई जुबेर खान को धमकी देते हुए कह रहे हैं- कल पूरी तैयारी के साथ आऊंगा, तुम्हारा घर फूंक दूंगा।

इसके अगले ही दिन प्रदेश सरकार के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के बेटे प्रबल पटेल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वे कहते हुए सुनाई दे रहे हैं- जानते हो, मेरे पापा मंत्री हैं...। मप्र सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के बेटे प्रबल पटेल का वायरल हो रहा वीडियो 9 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे का है। जिसमें वे जबलपुर पुलिस को धमकाते नजर आ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि प्रबल पटेल बिना नंबर की गाड़ी चला रहे थे। शहर के लेबर चौक पर उनकी गाड़ी एक डॉक्टर की कार से टकरा गई। इस दौरान प्रबल ने डॉक्टर से बदसलूकी की, जिसे देखकर लोगों की भीड़ लग गई और सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जब पुलिस अधिकारी बीच-बचाव का प्रयास करते है तो प्रबल और उनका साथी उनसे भिड़ने लगते हैं। वे पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी करते नजर आ रहे हैं।

डॉक्टर की कार को मारी टक्कर, फिर पुलिस से भी भिड़े मंत्री पुत्र प्रबल पटेल

कांग्रेस ने जारी किया वीडियो

प्रबल पटले के इस वीडियो को एमपी कांग्रेस ने अपने एक्स आकाउंट से शेयर किया है। जिसके कैप्शन में लिखा- जानते नहीं, पापा मंत्री हैं और हम दबंग ! तुम्हारी वर्दी उतरवा देंगे! प्रदेश सरकार के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के बेटे प्रबल ने जबलपुर में बुजुर्ग दंपति को टक्कर मारने के बाद पुलिस वालों को इस अंदाज में धमकाया! भाजपा के राज में मंत्री पुत्रों का आतंक आमजनता झेलने को मजबूर है। पहले नरेंद्र शिवाजी पटेल, अब प्रह्लाद पटेल...कुर्सी की गर्मी का पूरा इस्तेमाल इनके बेटे अपनी दबंगई से कर रहे हैं!

दिग्विजय सिंह के भतीजे आदित्य ने टीआई के मुंह पर छोड़ा सिगरेट का धुआं, की धक्का-मुक्की

12 अक्टूर को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भतीजे और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह के बेटे आदित्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें आदित्य विक्रम सिंह पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे थे। वीडियो में दिख रहा है कि वे टीआई के मुंह पर सिगरेट का धुआं छोड़ते हैं और फिर कश लेते हुए महिला एसडीओपी दीपा डोडवे और टीआई जुबेर खान को धमकी भी देते हैं। कहते हैं- कल पूरी तैयारी के साथ आऊंगा, तुम्हारा घर फूंक दूंगा। यह वीडियो बीते शुक्रवार का राधौगढ़ के केनरा बैंक तिराहे का है। मैं हूं अभिमन्यु अभियान के तहत तिराहे पर एक इंजीनियरिंग कॉलेज के बच्चे नुक्कड़ नाटक कर रहे थे। इस दौरान आदित्य विक्रम सिंह और उधम सिंह राजपूत ने जमकर हंगामा किया था।

बेटियों के लिए मप्र अब तालिबान से भी बदतर: पटवारी

खंडवा की घटना को लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सरकार को घेरे में लेते हुए महिला सुरक्षा को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मध्य प्रदेश में अब जंगलराज सिर चढ़ कर बोल रहा है। आए दिन अखबारों के पन्ने बेटियों के खून से रंगे हुए मिलते हैं। जीतू पटवारी ने लिखा कि खंडवा में 18 वर्ष की बेटी के साथ घिनौना अपराध होता है, और जब वह पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराती है, तो आरोपी के बेटे द्वारा उसे पेट्रोल डालकर जला दिया जाता है। बेटियों के लिए मध्य प्रदेश अब तालिबान से भी बदतर जगह बन गया है, जहां न तो वे सुरक्षित हैं, और अपराधियों को भाजपा सरकार का संरक्षण प्राप्त है, जिससे आए दिन बेटियों के साथ अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है। 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' का नारा देने वाली सरकार न तो बेटियों को पढ़ा पा रही है, न ही उन्हें बचा पा रही है। आखिर कब तक मुख्यमंत्री जी बेटियों के साथ हो रहे जघन्य अपराधों पर मौन रहेंगे?

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने आगे लिखा कि मध्य प्रदेश में अब जंगलराज सिर चढ़ कर बोल रहा है। आए दिन अखबारों के पन्ने बेटियों के खून से रंगे हुए मिलते हैं। खंडवा में 18 वर्ष की बेटी के साथ घिनौना अपराध होता है, और जब वह पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराती है, तो आरोपी के बेटे द्वारा उसे पेट्रोल डालकर जला दिया जाता है।

रामराज्य से प्रेरणा लेकर चला रहे दिल्ली में सरकार : केजरीवाल

» बुराई कितनी भी शक्तिशाली हो, अच्छाई की विजय निश्चित है : सीएम आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दशहरे के अवसर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली में आयोजित रामलीला मंचन कार्यक्रम में शामिल हुए। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गदा देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पर्व पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी से देश और दिल्ली के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम के रामराज्य की अवधारणा पर चलकर दिल्ली में आप की सरकार चला रहे हैं। रामराज्य से प्रेरणा लेकर दिल्ली में मुफ्त बिजली, अच्छी शिक्षा, इलाज, महिलाओं को बस यात्रा, बुजुर्गों को तीर्थयात्रा की सुविधा दे रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री आतिशी ने पूर्वी दिल्ली की श्री रामलीला कमिटी इंद्रप्रस्थ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बुराई के प्रतीक रावण का दहन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि रावण दहन की ये परंपरा हमें याद दिलाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली हो, अच्छाई की विजय निश्चित है।

फॉगिंग के नाम पर खानापूर्ति कर रहा नगर निगम

» निवर्तमान पार्षदों व स्थानीय लोगों ने लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। शहरी क्षेत्र में मच्छर पनपने से रोकने के लिए सफाई, जल निकासी सहित फॉगिंग का जिम्मा नगर निगम का है। एंटीलार्वा का छिड़काव कराने की जिम्मेदारी भी निगम की है। हालांकि निगम अफसरों का कहना है कि पिछले एक माह में सभी वार्डों में सफाई अभियान चलाने के साथ फॉगिंग करायी जा रही है, पर निवर्तमान पार्षदों , स्थानीय लोगों का आरोप है कि फॉगिंग के नाम पर खानापूर्ति हुई है, सभी वार्ड में पूरी तरह फॉगिंग नहीं हुई हैं। इसके अलावा सफाई से लेकर कचरा उठान व जलभराव वाले इलाकों में जल निकासी के कार्य में भी अनदेखी की गई हैं।

आरोप है वार्डों में फॉगिंग व सफाई पार्षदों के मनमुताबिक नहीं हो रही है। साथ ही विशेष सफाई अभियान चलाने के साथ फॉगिंग का शेड्यूल की नागरिकों को जानकारी ही नहीं होती है। वहीं इंदिरा नगर आवासीय महासमिति के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक ओपी श्रीवास्तव से उनके आवास पर मुलाकात की। उधर शहर के बलरामपुर, झलकारीबाई अस्पतालों के बाहर फैली गंदगी को भी साफ कराने की मांग की गई।

डेंगू से प्रभावित क्षेत्र है जहां ज्यादा डेंगू के मरीज निकल रहे है वहां हम खुद जाकर उस क्षेत्र में निरक्षण करते है और साथ ही साथ साफ सफाई एंटी लार्वा का छिड़काव कराते है अभी बड़ रहा है लेकिन दिवाली तक धीरे धीरे नीचे आना शुरू हो जाएगा।
डॉ. प्रवीन कुमार श्रीवास्तव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम

राजधानी में डेंगू के एक हजार से अधिक मामले मिले

राजधानी में अब तक डेंगू के एक हजार से अधिक मामले आ चुके है। इससे अलग निजी अस्पतालों व क्लीनिकों पर संदिग्ध मरीज भी आ रहे हैं। डेंगू व संदिग्धों मरीज शहरी क्षेत्र से भी हैं, जिसके लिए शहर के लोग जनप्रतिनिधि व नगर निगम को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। पूर्व पार्षद आर पी सिंह ने बताया इस्माइलगंज वार्ड द्वितीय में कई इलाकों मे सफाई सड़कों किनारे देखने को नहीं मिलेगी। यहां कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। खुले स्थानों पर गंदा पानी भरा हुआ है। इसी तरह शंकरपुरवा वार्ड प्रथम के स्थानीय नागरिक विनोद, सुषमा ने कहा कि उनके वार्ड में फागिंग की गाड़ियां आती हैं मगर मुख्य सड़क से होकर निकल जाती हैं। प्रताप आटा चक्की, फूलबाग कालोनी की नालियां गंदगी व पानी से बजबजा रही हैं। पार्क में बच्चे खेलते हैं। मच्छरों की बढ़ती संख्या से यहां के कई घरों में लोग बुखार से पीड़ित हैं। निगम की टीमें मुख्य मार्गों व गलियों में तेजी से फॉगिंग कर चली जाती है, जिससे लिंक मार्ग व गलियां फॉगिंग से छूट रही हैं।

अग्नि दहन से जला रावण का दम्भ, दशहरा संपन्न

सुल्तानपुर/दोस्तपुर। कस्बा दोस्तपुर में दोपहर में राम-सीता, लक्ष्मण हनुमान जी के साथ पूरी सेना लेकर गाजे-बाजे से साथ रामलीला मैदान की तरफ कूंच किये, मैदान में भीषण युद्ध चला, कभी राम -रावण एक तीर काट देते तो कभी रावण राम के तीर काटकर अट्टाहास कर जोरों से हंसता लेकिन अंतत: बुराई पे अच्छाई की जीत हुई और रावण का संहार हुआ। राम-रावण युद्ध के बाद रावण का पुतला जलाया गया। स्थानीय कस्बे में दशहरा मेला की तैयारी को लेकर रामलीला कमेटी पहले से जुट गई थी। मेला स्थल के पास पहले से 20 फीट के रावण की प्रतिमा बनी है।

पास में ही 20 फीट की कुंभकर्ण की प्रतिमा को कारीगर चार दिन से बनाने में जुटे थे। शनिवार को शाम लगभग छह बजे रावण दहन किया गया। इसी के साथ ही भव्य मेले की भी शुरुआत हुई जो अगले दिन भारत मिलाप के साथ समाप्त होगा। भरत मिलाप के मौके पर पूरी रात कस्बे में जबरदस्त भीड़ रहती है। इस मौके पर कई दर्जन झांकिया निकाली जाती है एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भंडारों का भी आयोजन होता है। यह मेला सुबह लगभग पांच बजे तक चलता है। इस अवसर पर थानाध्यक्ष दोस्तपुर पंडित त्रिपाठी ने पूरे पुलिस टीम को अलग-अलग टुकड़ियों में बांटकर विभिन्न संवेदनशील एवं भीड़-भाड़ वाले पॉइंट्स पर तैनात किया। मेले की निगरानी के लिए सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया गया।

पुलिस प्रशासन ने खुब बहाया पसीना

भव्य एवं विशाल आयोजन में उमड़ह भीड़ को नियंत्रित करने एवं यातायात के डाइवर्जन में पुलिस प्रसाशन ने भी खूब मेहनत की। सीओ कादीपुर विनय गौतम ने सुरक्षा इंतजामों की जमीनी हकीकत को परखा । आयोजन को सफल बनाने के लिए पीएसी एवं कई थानों के पुलिस जवान भी तैनात नजर आये।

हैरत भरी झांकियों को दर्शक देख हुए दंग

पिता की आज्ञा का पालन करने एवं धर्म निभाने के लिए चौदह बरसों का वनवास बिताकर भगवान राम-माँ सीता भैया लक्ष्मण के साथ अयोध्या वापस आये 7 इधर भरत जो चौदह सालों से भाई की विरह में तप रहे थे, बड़े भाई की आज्ञा के पालन में कुटिया बनाकर अयोध्या के बाहर निवास कर रहे थे और भाई की चरण पादुका को अयोध्या के सिंघासन पे रखकर वहाँ का राज चला रहे थे। भरत जी भी बड़े राम के इन्तजार की राह जोह रहे थे । एक तरफ राम के रथ का आगमन हुआ तो दूसरी तरफ से भरत जी आये, दोनों भाइयों के इस प्रेम-पूर्ण मिलाप को देखकर दर्शक भाव विभोर हो गए। इस मौके पर कस्बे वासियों द्वारा दर्जनों झांकिया निकाली गयी। इन झांकियों को देखने लिए रविवार की शाम से ही दर्शक जुटने शुरू हो गए, जो सोमवार की सुबह चार बजे तक चला। चारों तरफ हजारों दर्शक, सड़कें भीड़ से पटी हुई, माँ दुर्गा के पंडालों से लेकर राम लीला मंच तक चारों तरफ सिर्फ भीड़ का मंजर। इसी मिलाप और झांकियों के साथ इस मेले का समापन हुआ।

ढोल नगाड़ों की धुन पर थिरकते हुए भक्तों ने मां दुर्गा को दी विदाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शारदीय नवरात्र की उपासना के बाद राजधानी लखनऊ में भक्तों ने मां दुर्गा को विदाई दी। अबीर-गुलाल उड़ाकर भक्तों ने माहौल को भक्ति में रंग दिया। विसर्जन यात्रा में महिलाएं नृत्य करती रहीं और जयकारों की गूंज सुनाई दी। जबकि महिलाओं ने सिन्दूर खेला की रस्म अदा की। वहीं प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी विजयादशमी पर जगह-जगह देवी पंडालों में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं को नदी, नहरों और तालाबों में विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान भक्तों ने खूब अबीर-गुलाल उड़ाया। इस मौके पर मां की आरती व जयकारे गूंजते रहे। मां की विदाई के दौरान लोगों की आंखें नम हो गईं। विसर्जन के बाद भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय : राहुल गांधी

पीएम मोदी व रक्षामंत्री राजनाथ पर नेता प्रतिपक्ष का प्रहार

» नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीरों की मौत का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक में हाल ही में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीरों की मौत हो गयी थी। इस मामले के सामने आने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर सवाल उठाए। राहुल ने कहा कि अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल पूछा कि एक सैनिक की जिंदगी दूसरे सैनिक की तुलना में अधिक मूल्यवान क्यों है? इसके अलावा उन्होंने यह भी सवाल किया कि 'अग्निवीर' के रूप में शहीद हुए दो सैनिकों के परिवारों को अन्य शहीद सैनिकों के समान पेंशन और लाभ क्यों नहीं मिलेंगे?

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने लिखा, नासिक में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीर गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित की मौत एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में बीजेपी सरकार असफल रही है। इस पोस्ट में आगे गांधी ने मोदी सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो? अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा? जब दोनों ही सैनिकों की जिम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों?

जनता से अपील- इस अन्याय के खिलाफ खड़े हो

राहुल ने जनता से अपील की कि मिलकर इस अन्याय के खिलाफ खड़े हों। बीजेपी सरकार की 'अग्निवीर' योजना को हटाने के लिए, देश के युवाओं और सेना के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमारे जय जवान आंदोलन से आज ही जुड़ें! बता दें, नासिक जिले के आर्टिलरी सेंटर में परीक्षण के दौरान एक गोले के फट जाने से अग्निवीरों गोहिल और सैफत की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन हटाने की अधिसूचना जारी

» सरकार बनाने की तैयारी में नेशनल कांग्रेस नेता उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया है। इसकी अधिसूचना देर रात जारी की गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया। ज्ञात हो कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र को राष्ट्रपति शासन हटाने की सिफारिश भेजी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 19 अक्तूबर तक तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले अधिसूचना को मंजूरी दी। अब उपराज्यपाल नई सरकार के गठन के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को जल्द न्योता दे सकते हैं।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले शपथ ग्रहण समारोह से इंडिया गठबंधन एकजुटता और मजबूती का संदेश देने की तैयारी में है। उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं के साथ ही कई राज्यों के सीएम को न्योता भेजा जा सकता है। सूत्र बताते हैं कि इंडिया गठबंधन नेकां-कांग्रेस की जीत को भाजपा के एजेंडा को ही हार के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। ऐसे में नेकां उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं से संपर्क साध रही है। नेकां से जुड़े सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नाम न्योता वाली सूची में शामिल हैं। आप के नेता अरविंद केजरीवाल को भी बुलाया जा सकता है। हालांकि, ये सारे नाम नेकां मुखिया डॉ. फारूक अब्दुल्ला तय कर रहे हैं। नेकां के एक जिम्मेदार पदाधिकारी का कहना है कि सूची तैयार है।

इंडिगो की दो उड़ानों में बम की धमकी, जांच जारी

मुंबई (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। एयर इंडिया के बाद अब इंडिगो के विमानों में बम की धमकी दी गई है। जानकारी के मुताबिक, मुंबई से जेद्दा और मस्कट जाने वाली इंडिगो की दो उड़ानों में बम की धमकी मिली है। इसके बाद विमानों की जांच की जा रही है। इससे पहले सितंबर में मध्य प्रदेश के जबलपुर से तेलंगाना के हैदराबाद जाने वाली इंडिगो के विमान को बम की धमकी के बाद नागपुर डायवर्ट कर दिया गया था। नागपुर में विमान के उतरने के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर उतारा गया और इसके बाद अनिवार्य सुरक्षा जांच की गई। हालांकि, धमकी अफवाह ही निकली थी। इंडिगो प्रवक्ता के मुताबिक, मुंबई से मस्कट जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6श्व-1275 और मुंबई से जेद्दा जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6श्व 56 को बम की धमकी मिली थी। प्रोटोकॉल के मुताबिक विमान को एक अलग बे में ले जाया गया और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई। इससे पहले एयर इंडिया के विमान को बम की धमकी के बाद दिल्ली डायवर्ट किया गया था। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान को बम की धमकी के बाद सोमवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं और आगे की जांच जारी है।

डंपर से टकराई कार, चार बच्चों समेत पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी के कानपुर में सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। पनकी भौती में ओवर ब्रिज कट के पास हुई दुर्घटना में पांच लोगों की जान चली गई। रामादेवी से पनकी भौती जाने वाले हाईवे पर तेज रफ्तार डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। जिससे डंपर के पीछे चल रही कार को भी ब्रेक मारना पड़ा। दोनों वाहनों के पीछे आ रहे सरिया लदे ट्राले ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे कार डंपर और ट्राला के बीच आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चार बच्चों व चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। चारों बच्चे पीएसआईटी के बताए जा रहे हैं।

» हादसे का मंजर देख हर कोई सहम गया

मृतकों में प्रतीक सिंह, गरिमा, सतीश, आयुषी व चालक विजय साहू शामिल है। संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल करवाया। शवों को पोस्टमार्टम हाउस ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। चारों बच्चे एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं।

सीएम पद के शपथ से पहले ही हरियाणा बीजेपी के मतभेद उभरे!

» अमित शाह पर्यवेक्षक नियुक्त, अनिल विज और राव इंद्रजीत पार्टी से नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में सीएम के चुनाव व शपथ से पहले ही मतभेद उभरने की खबरे आ रही हैं। सूत्रों की माने तो वरिष्ठ भाजपा नेता राव इंद्रजीत व अनिल विज नाराज हैं। हालांकि शीर्ष नेतृत्व इसका खारिज कर रही है। दरअसल, 16 अक्तूबर को भाजपा के विधायक दल की बैठक में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए भाजपा के संसदीय बोर्ड ने पर्यवेक्षक के तौर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी है। उनके साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पर्यवेक्षक होंगे।

सूत्रों का दावा है कि विधायक दल का नेता चुनने के समय अनिल विज सीएम पद को लेकर अपना दावा ठोक सकते हैं। इसके अलावा, बाहर से केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी मुख्यमंत्री पद को लेकर दावा जताते रहे हैं। पार्टी हाईकमान ने इन दोनों के तेवरों को देखते ही अमित शाह को यह जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि पार्टी में कोई गुटबाजी न दिखे और सारी प्रक्रिया आराम से पूरी हो सके। मनोहर लाल के इस्तीफे के बाद 12 मार्च को भाजपा विधायक दल की बैठक हुई थी। बैठक में भाजपा हाईकमान की ओर से केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और पार्टी के महासचिव तरुण चुघ को पर्यवेक्षक बनाया गया था। हरियाणा निवास में हुई बैठक में हरियाणा मामलों के प्रभारी बिप्लब देब भी मौजूद थे। जब विधायक दल के नेता के रूप में नायब सैनी का नाम सामने आया तो पूर्व मंत्री अनिल विज नाराज हो गए थे। नाराजगी भी इतनी बढ़ गई थी कि वह पर्यवेक्षकों के सामने ही बैठक छोड़कर बाहर आ गए थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।